संवाद

अंक 10 : अप्रैल से जून 2025
त्रमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत संस्थान में योग शिविर के आयोजन

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान परिसर में दिनांक 21 जून 2025 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया | यह आयोजन दिनांक 13 जून से प्रारम्भ होकर 21 जून तक चला| संस्थान परिसर में निवासरत कर्मचारियों ने उक्त आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज की | प्रशिक्षक के रूम में विवेकानंद योग केंद्र कन्याकुमारी की भोपाल शाखा के प्रशिक्षकों को योग अभ्यास हेतु आमंत्रित किया गया था| कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्थान के निदेशक प्रोफे. कैलाश राव एम. ने सभी का स्वागत किया|
प्रशिक्षकों द्वारा शिविर में योग अभ्यास कराया गया व योग के लाभ और योग के प्रति जागरूकता हेतु व्याख्यान भी दिया गया। संस्थान में कार्यरत समस्त अधिकारी, कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने योग, प्राणायाम आदि का अभ्यास सीखा एवं दैनिक जीवन में योग करने हेतु प्रेरित हुए |

Celebration of 11th International Yoga Day 2025

पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 25 जून 2025 को संस्थान परिसर के सतपुरा ब्लाक में पौधारोपण किया गया | इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री संकेत भंद्वे आई. ए. एस. कमिशनर, यू.ए.डी.डी. मध्य प्रदेश को आमंत्रित किया गया था|

स्मारकीय विरासत वास्तुकला पर एक प्रदर्शनी का आयोजन

संस्थान परिसर में भारतीय प्रायद्वीप के पुरातात्विक और ऐतिहासिक काल की स्मारकीय विरासत वास्तुकला पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया| इस प्रदर्शनी में वास्तुकला के प्रथम वर्ष के छात्रों ने हिस्सा लिया, संस्थान के सभी संकाय एवं सक्षम प्राधिकारियों ने इन युवाओं द्वारा किए गए काम का अनुभव कर और उन्हें उनके प्रयासों में प्रोत्साहित किया|

एस.पी.ए. भोपाल में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक 16 अप्रैल 2025 को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन किया | कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूम में श्रीमति प्रीति खरे, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित कार्यकारी नेतृत्व कोच और इनबेलेंस के सह संस्थापक को आमंत्रित किया गया था| उक्त कार्यशाला में संस्थान के संकाय सदस्यों व कर्मचारियों ने भाग लिया व रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 को समझा|

एसपीए भोपाल में "ब्लू ग्रीन प्रकृति आधारित समाधानों पर" कार्यशाला का आयोजन

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल में जलवायु लचीली योजना के लिए ब्लू ग्रीन प्रकृति आधारित समाधानों पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका आयोजन पर्यावरण नियोजन विभाग ने यूनिसेफ और जीआईजेड इंडिया के सहयोग से किया था। जीआईजेड दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार कीर्तिमान अवस्थी ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को जैव विविधता और जलवायु संरक्षण के आर्द्रभूमि प्रबंधन पर बात की। जीआईजेड के सलाहकार और विशेषज्ञ शांभवी कृष्णा, कुणाल भारत और ज्योति कश्यप ने नियोजन और वास्तुकला विद्यालय के प्रतिभागियों और छात्रों को जलवायु लचीली योजनाओं को तैयार करने के लिए उपकरणों और तकनीकों पर मार्गदर्शन किया और आर्द्रभूमि और वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं, आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए परिदृश्य योजना के लिए भागीदारी दृष्टिकोण पर पूरे देश से अनुभव साझा किए। वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया के निदेशक रितेश कुमार ने जिला आपदा प्रबंधन योजना के लिए प्रकृति आधारित समाधान के रूप में वेटलैंड्स को एकीकृत करने के महत्व पर बात की। भोपाल के योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के लैंडस्केप विभाग की प्रमुख प्रोफेसर रमा पांडे ने कार्यशाला का समन्वय किया और बताया कि कैसे यह सीख छात्रों को जलवायु नियोजन पर अपने काम को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

वास्तु शास्त्र: आवास के डिजाइन के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण पर 5 दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्थान परिसर में वास्तु शास्त्र: आवास के डिजाइन के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण पर 5 दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया| वास्तु शास्त्र में सर्टिफिकेट कोर्स हमारे प्राचीन शास्त्रों के महत्व, वैधता और व्यावहारिक अनुप्रयोग को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसने भारतीय वास्तुकला को गहराई से प्रभावित किया है। वास्तु शिल्प शास्त्र, स्थापत्य वेद (यजुर्वेद का एक भाग) से लिया गया है, जिसका अभ्यास वास्तुकारों और गैर-वास्तुकारों दोनों द्वारा व्यापक रूप से किया जाता रहा है, अक्सर बाद के विशेषग्य जिन्हें "वास्तुविद" कहा जाता है। अपने समृद्ध इतिहास के बावजूद, वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों को अक्सर अनदेखा करते है। 19वीं और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में, पश्चिमी शिक्षा के उदय ने वैदिक परंपराओं के पालन में गिरावट ला दी, कई लोगों ने उन्हें अंधविश्वास के रूप में खारिज कर दिया। हालाँकि, 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, रुचि में पुनरुत्थान हुआ है। पश्चिमी शिक्षा के आलोचनात्मक दृष्टिकोण से प्रभावित विद्वानों और नई पीढ़ियों ने प्राचीन भारतीय ज्ञान के मूल्य को फिर से खोजा है। यह नई मान्यता आधुनिक वास्तुशिल्प डिजाइन में वास्तु शास्त्र की प्रासंगिकता को फिर से स्थापित करने में मदद कर रही है।

इसलिए, यह पाठ्यक्रम हमारे प्राचीन शास्त्रों की गहरी समझ प्रदान करेगा, समकालीन डिजाइन और निर्माण में उनके व्यावहारिक निहितार्थ, और कैसे ये कालातीत सिद्धांत आधुनिक रहने की जगहों को बढ़ा सकते हैं|

प्रेस मीडिया

नए सत्र में भविष्य की जरूरतों के हिसाब से भोपाल के नेशनल लेवल के कॉलेजों में नए यूजी-पीजी कोर्सेज डिजाइन

मैनिट पढ़ाएगा एनर्जी इकोनॉमिक्स, एसपीए सिखाएगा सिविल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट तो आईआईएफएम सस्टेनेबल फाइनेंस

कॅरियर के नए ऑप्शन्स

सिटी रिपोर्टर | शहरों में मकान बने, दुकान बने या फिर कोई पुल इनकी गुणवत्ता बेहतर हो, ई-व्हीकल का इस्तेमाल वर्तमान में मौजूद गाड़ियों की तुलना में ज्यादा आसान हो, उनमें रिन्युएबल ऊर्जा स्रोतों के नए विकल्प भी ढूंढ़े जा सकें, भविष्य की ऐसी ही जरूरतों को देखते हुए शहर के नेशनल लेवल कॉलेजों ने अपने कोर्सेज को अपडेट किया है। ऐसे में कुछ कॉलेजों ने जहां पीजी लेवल के नए प्रोग्राम शुरू किए हैं, तो कुछ में नए स्पेशलाइजेशन जोड़े गए हैं। इन नए कोर्सेज के चलते स्टूडेंट्स के लिए इस बार किस तरह के नए कोर्सेज के ऑप्शंस खुल रहे हैं, जाना सिटी भास्कर ने।

एनर्जी पर दो नए प्रोग्राम जुड़े

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) ने नए एकेडमिक सेशन से दो नए प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है, यह प्रोग्राम हैं बीटेक इन एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल इंजीनियरिंग और एमएससी इन एनर्जी इकोनॉमिक्स। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य स्टूडेंट्स को रिन्युएबल एनर्जी के क्षेत्र में जाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि इस क्षेत्र में रिसर्च बढ़े और ... मिलेगा। मैनिट भोपाल के एनर्जी सेंटर के प्रमुख डॉ. अरविंद मिश्रा ने बताया - ये पाठ्यक्रम अगली पीढ़ी के प्रोफेशनल्स को तैयार करने के लिए बनाए गए हैं।

पहला मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल इस नए सत्र से बैचलर्स इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (बीईएम) प्रोग्राम शुरू कर रहा है। इस कोर्स के इंचार्ज डॉ. सुशील कुमार बताते हैं कि - यहां नया डिपार्टमेंट ही इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट का शुरू किया गया है। इसमें यह पहला मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम है। इसकी शुरुआत अभी 25 सीटों के साथ की गई है, ... प्रोफेशनल्स तैयार करेगा, जो आर्किटेक्चर में इनोवेशन लेकर आएं, साथ ही साइट और पूरे प्रोजेक्ट के मैनेजमेंट का जिम्मा भी उठा सकें। अभी तक यह कोर्स सिर्फ एसपीए दिल्ली और एसपीए विजयवाड़ा में था।

डिग्री में बदले डिप्लोमा कोर्स

आईआईएफएम में इस बार कोर्सेज को लेकर बड़े बदलाव किए गए हैं। इस साल से यहां के सारे पीजी डिप्लोमा कोर्सेज को एमबीए डिग्री प्रोग्राम में बदल दिया गया है। साथ ही, इस साल से दो कोर्सेज भी शुरू किए गए हैं। यह कोर्स हैं मास्टर्स इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट और मास्टर्स इन डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबल फाइनेंस। इन दोनों कोर्सेज को 75-75 सीटों पर इन-टेक के ... बार आईआईएफएम में पीएचडी प्रोग्राम भी शुरू किया गया है, जिसमें 30 सीटें रखी गई हैं। ऐसे में इस साल से 150 स्टूडेंट्स को मैनेजमेंट के दो नए ट्रेड्स चुनने का मौका मिलेगा।

तीन नए करिकुलम जोड़े

साइबर लॉ में जुड़े तीन नए स्पेशलाइजेशन एनएलआईयू ने मास्टर्स ऑफ साइबर लॉ एंड सिक्योरिटी प्रोग्राम के तहत इस साल तीन नए करिकुलम जोड़े गए हैं। इसके तहत छात्र आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और कानून के तहत एआई, ब्लॉकचेन, आईओटी से संबंधित विधिक और नैतिक पहलुओं की पढ़ाई करेंगे। इसके अलावा वेब एप्लीकेशन सिक्योरिटी ... को समझेंगे। जबकि, करिकुलम है - फंडामेंटल्स ऑफ सिक्योरिटी आर्किटेक्चर मॉडल्स एंड आइडेंटिटी मैनेजमेंट, इसमें सुरक्षित प्रणाली डिजाइन, एक्सेस कंट्रोल और डिजिटल पहचान की जानकारी दी जाएगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में फिर पिछड़ी राजधानी

हम क्यों नहीं आए अव्वल स्थान पर

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद राजधानी शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गया। इसकी मुख्य वजहें कई मोर्चों पर कमजोरियां और पिछली गलतियों से सबक न लेना रहीं। अफसरों को जो जिम्मा दिया था वह पूरा नहीं किया। इससे आदमपुर लैंडफिल में लगी आग ने शहर के स्कोर को बुरी तरह प्रभावित किया, वहीं सार्वजनिक शौचालयों की दयनीय स्थिति और सड़कों का रखरखाव भी नकारात्मक साबित हुआ। वहीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिटके चलते हुए सौंदर्यीकरण और 'वाटर प्लस' श्रेणी में शानदार प्रदर्शन ने शहर की साख बचाई।

कचरा कलेक्शन मैनेजमेंट

स्वच्छता के लिए डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सबसे जरूरी ...

स्वच्छ सर्वेक्षण में किसका कितना भाग: 14 फीसदी नागरिक की आवाज | 26 प्रमाणीकरण लगभग | 60 सर्विस लेवल प्रोग्रेस

एक नजर में

स्वच्छ सर्वेक्षण में राजधानी का सफर
- 2017 और 2018 में दूसरी रैंक।
- 2019 में 19वें नंबर पर रहा।
- 2020 और 2021 में सातवीं रैंक हासिल की।
- 2022 में छठे स्थान पर रहा।
- 2023 में पांचवें स्थान पर रहा।

2023 के सर्वे से भी नहीं लिया सबक

पिछले साल शहर में कचरे का सोर्स सेग्रीगेशन का पैरामीटर 95 प्रतिशत था। लेकिन एक साल में इस क्षेत्र में कोई विशेष काम नहीं हुआ।

पब्लिक टॉयलेट में सफाई का पैरामीटर बीते साल 97 प्रतिशत था। एक साल में इस पैरामीटर में भी गिरावट दर्ज की गई।

रोज औसत 850 टन कचरा निकलता है, जिसमें 330 टन गीला व 520 टन सूखा होता है। 2023 की तुलना में कचरा निपटान खराब रहा।

सर्विस लेवल प्रोग्रेस निम्न भागों में होती है

- 13 फीसदी सेग्रीगेशन और परिवहन
- 30 फीसदी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- 22 फीसदी सफाई सुरक्षा मित्र, जल प्रबंधन और स्वच्छता
- 17 फीसदी दृश्य स्वच्छता
- 14 फीसदी नुइज्ड इंडिकेटर्स
- 04 फीसदी लिगेसी ऑन वेस्ट रेमेडिएशन

सर्वे को चार तिमाहियों में विभाजित किया

पहला और दूसरा चरण: शहर की स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर नागरिकों से प्रतिक्रिया ली जाती है।

तीसरा चरण: इस दौरान प्रसंस्करण सुविधाओं का मूल्यांकन किया जाता है।

चौथा चरण: इसमें सभी संकेतकों पर फील्ड मूल्यांकन किया जाता है।

इन कारणों से प्रथम स्थान हासिल नहीं

आदमपुर लैंडफिल में हुई आगजनी ने स्कोर को प्रभावित किया।

सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति खराब है, जिसका नकारात्मक प्रभावित हुआ।

सड़कें टूटी-फूटी थीं, जिसके चलते दृश्य स्वच्छता प्रभावित हुई।

शहर में करीब 40 बड़ी झुग्गी बस्ती ... जिनमें स्वच्छता न के बराबर है।

स्वच्छता सर्वेक्षण की प्रमुख चुनौतियां

- सीवेज समस्या: शहर के कई इलाकों में सीवेज का पानी सड़कों पर आ जाता है, खासकर बारिश में।
- पॉलिथीन का उपयोग: प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग खुलेआम हो रहा है, जिस पर रोक नहीं लगी।
- खुले में कचरा फेंकना: कई क्षेत्रों ... जिस पर प्रभावी रोक नहीं लग ...

एक्सपर्ट व्यू

डॉ. गौरव वैद्य, सहायक प्रोफेसर ...

जीआइएस से सुधरा प्रदर्शन

नवाचार ने बचाई नैया

परंपरागत घरों का अध्ययन करने पहुंची आर्किटेक्चर की भोपाल टीम

प्राणपुर | गांव की वास्तुकला को लेकर चर्चा करते टीम के सदस्य।

भास्कर संवाददाता | प्राणपुर

भोपाल से आई आर्किटेक्चर की टीम ने क्रॉफ्ट विलेज प्राणपुर के परंपरागत नक्शा और वास्तुकला का अध्ययन किया। टीम के सदस्यों ने गांव में लोगों के घर-घर जाकर उनके आवासों का अध्ययन कर उनके बनाने वाली तकनीक आ अध्ययन किया।

प्राणपुर गांव में अटल मिशन के रिजूवनेशन और अर्बन ट्रांसपोर्टेशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट के लिए भोपाल की स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर की टीम पहुंची। टीम यहां कम लागत में परंपरागत नक्शे और निर्माण शैली वाले आवासों का अध्ययन कर रही है। साथ ही प्रोटोटाइप निर्माण की दिशा में भी काम हो रहा है। इस प्रोजेक्ट का मार्गदर्शन डॉक्टर परम मित्रा और डॉक्टर सन्मार्ग मित्रा कर रहे हैं।

कार्य का संचालन डॉक्टर तानिया कौर बेदी कर रही हैं। भोपाल से आई 10 सदस्यीय टीम गांव के हर घर में जाकर जानकारी जुटा रही है। टीम के कार्य में लालाराम कोली सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने गांव की अद्भुत वास्तुकला और शिल्प कला को समझने और दस्तावेजीकरण में सहयोग किया।